सिनेमा की कोई भाषा नहीं होती : सई मांजरेकर

अभिनेत्री सई मांजरेकर का कहना है कि उनके लिए सिनेमा सिर्फ भाषा की बात नहीं, बल्कि अछी कहानियों और प्रेरणादायक सहयोग का माध्यम है. सई मांजरेकर, जिन्होंने पहले ही बॉलीवुड और साउथ फिल्मों में अपनी पहचान बनाई है, अपनी प्राथमिकताओं को लेकर साफ हैं. उनके लिए सिनेमा सिर्फ भाषा की बात नहीं, बल्कि अछी कहानियों और प्रेरणादायक सहयोग का माध्यम है.

सई ने कहा, मेरा मानना है कि सिनेमा की कोई भाषा नहीं होती.असल मायने रखती है कहानी और उसका दर्शकों से जुड़ाव. अभी मैं बॉलीवुड और साउथ इंडस्ट्री पर ध्यान दे रही हूँ, लेकिन आगे चलकर मैं एक अछी मराठी फिल्म जरूर करना चाहूँगी. जब तक स्क्रिप्ट रोमांचक हो और डायरेक्टर का विज़न मज़बूत हो, मैं किसी भी इंडस्ट्री को एक्सप्लोर करने के लिए तैयार हूँ.

सई मांजरेकर ने बॉलीवुड और साउथ इंडस्ट्री की तुलना करते हुए कहा,दोनों जगह काम करने का मौका मिलने के बाद मुझे लगता है कि हर इंडस्ट्री की अपनी अलग पहचान और जादू है. बॉलीवुड में कहानियों को बड़े भावनात्मक अंदाज़ में दिखाया जाता है, जबकि साउथ में मैंने अनुशासन और कला के प्रति गहरा सम्मान देखा, जो मुझे बेहद पसंद आया.

दोनों अनुभवों ने मुझे अलग-अलग तरह से गढ़ा है और मैं खुद को खुशनसीब मानती हूँ कि दोनों का हिस्सा हूँ. मेरे लिए यह सफर दोनों की अछाइयों को अपनाने और हर प्रोजेक्ट के साथ आगे बढ़ने का है.

सई मांजरेकर की सोच पर घर का भी असर रहा है. उनके पिता, मशहूर फिल्ममेकर और अभिनेता महेश मांजरेकर, आठ अलग-अलग भाषाओं में काम कर चुके हैं.

कंपाउंडर के रूप में नजर आयेंगे अभिषेक बनर्जी

बॉलीवुड अभिनेता 'मिर्जापुर: द मूवी' में फिर से कंपाउंडर के रूप में नजर आयेंगे.

मिर्जापुर: द मूवी में अभिषेक बनर्जी एक बार फिर अपने पसंदीदा किरदार कंपाउंडर के रूप में वापसी कर रहे हैं. मुन्ना भैया के साथ उनकी ज़बरदस्त केमिस्ट्री और दमदार एक्टिंग की वजह से यह किरदार आज भी दर्शकों के दिलों में ज़िंदा है.हाल ही में एक फैन से बातचीत में अभिषेक ने खुद बताया कि वे इस शानदार फ्रेंचाइज़ी का हिस्सा फिर बनने जा रहे हैं, जो अब डिजिटल स्क्रीन से बड़े पर्दे तक पहुंच चुकी है. इस खबर से उनके फैंस बेहद खुश हैं और सोशल मीडिया पर उनका स्वागत कर रहे हैं. पहले सीज़न में उनके किरदार की गहरी छाप आज भी लोगों के बीच उतनी ही लोकप्रिय है.

फिल्म से जुड़े एक सूत्र ने भी इस खबर की पुष्टि की. उन्होंने कहा, यह तय है कि अभिषेक बनर्जी कंपाउंडर के रूप में लौट रहे हैं. उन्हें फिल्म के अनाउंसमेंट टीज़र में भी बाकी अहम किरदारों के साथ दिखाया गया है. दर्शकों के लिए उन्हें मुन्ना भैया के साथ फिर स्क्रीन शेयर करते देखना बेहद रोमांचक होगा.

अमिताभ को मिला 'सदी के अभिनेता' का खिताब

बॉलीवुड में अगर किसी शख्सियत ने चार दशकों से भी अधिक समय तक अपनी पहचान को कायम रखा है, तो वह नाम है अमिताभ बचन. 1969 में 'सात हिंदुस्तानी' से फिल्मों में कदम रखने वाले इस लंबे-चौड़े नौजवान को उस समय शायद ही किसी ने गंभीरता से लिया हो. लेकिन आने वाले समय में उन्होंने जो मुकाम हासिल किया, उसने उन्हें भारतीय सिनेमा का सबसे बड़ा सितारा बना दिया.

इसी योगदान को देखते हुए, 10 सितंबर 2001 को मिस्र के अलेक्जेंड्रिया इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में अमिताभ बचन को 'सदी के अभिनेता' के खिताब से नवाजा गया. यह सम्मान सिर्फ अमिताभ के लिए नहीं, बल्कि पूरे भारतीय सिनेमा के लिए एक गौरव का क्षण था. अमिताभ का करियर 'सात हिंदुस्तानी' से शुरू हुआ, लेकिन असली पहचान उन्हें 1973 में आई फिल्म 'जंजीर' से मिली. इंस्पेक्टर विजय खन्ना का उनका किरदार इतना प्रभावी था कि उन्हें बॉलीवुड का पहला 'एंग्री यंग मैन' कहा जाने लगा.अमिताभ बचन को 'दीवार', 'शोले', 'डॉन', 'त्रिशूल', 'अमर अकबर एंथनी' जैसी फिल्मों ने सुपरस्टार के रूप में स्थापित कर दिया. जहां एक ओर अमिताभ सफलता की बुलंदियों पर थे, वहीं मुश्किलें भी आईं. 1982 में फिल्म 'कुली' की शूटिंग के दौरान उन्हें गंभीर चोट लगी. उस वक्त पूरे देश ने उनके स्वस्थ होने के लिए दुआएं कीं. इस घटना ने यह साबित कर दिया कि वह केवल एक अभिनेता नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों की धड़कन बन चुके हैं.

हिंसक प्रदर्शन देख मनीषा कोइराला का छलका दर्द

नेपाल इस समय एक बड़ी राजनीतिक और सामाजिक संकट से गुजर रहा है. देश भर में त्द्दठ्ठ॑ युवाओं का प्रदर्शन हिंसक रूप ले चुका है, जिससे हालात बिगड़ते जा रहे हैं. विरोध प्रदर्शन की वजह से नेपाली सरकार ने फेसबुक और इंस्टाग्राम सहित कई सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर प्रतिबंध लगा दिया है. इसके बाद सैकड़ों युवा सड़कों पर उतर आए हैं. भीड़ ने तोड़फोड़ और आगजनी शुरू कर दी, जिससे पूरी स्थिति तनावपूर्ण हो गई है.

बॉलीवुड अभिनेत्री मनीषा कोइराला ने भी इस दुखद घटना पर अपनी प्रतिक्रिया दी है. मनीषा, जिनका जन्म काठमांडू में हुआ था और जिनके पिता एवं दादा नेपाल की राजनीति में सक्रिय रहे हैं, ने सोशल मीडिया पर एक बेहद इमोशनल पोस्ट शेयर किया. उन्होंने एक खून से लथपथ जूते की फोटो साझा की, जो सीधे तौर पर हिंसा की भयावहता को बयां करती है. इस तस्वीर के साथ उन्होंने लिखा,

जब जनताको आवाज, भ्रष्टाचारविरुद्धको आक्रोश र न्यायको मागलाई गोलीले जवाफ दिइयो. यानी आज नेपाल के लिए एक काला दिन है ङ्क जब लोगों की आवाज, भ्रष्टाचार के खिलाफ, आक्रोश और न्याय की मांग का जवाब गोलियों से दिया गया.

सिद्धांत चतुर्वेदी ने इंटरनेट पर मचाया धमाल

भारत के प्रमुख बहुराष्ट्रीय फैशन ब्रांड्स में से एक मैक्स फैशन ने ऐतिहासिक कदम उठाते हुए, एक्टर और कल्चरल ट्रेंडसेटर सिद्धांत चतुर्वेदी को अपना पहला पुरुष ब्रांड एंबेसडर बनाने की घोषणा की है. नए कैंपेन हाउ न्यू इज़ योर न्यू का चेहरा बने सिद्धांत चतुर्वेदी अपनी सहज स्टाइल और उस पीढ़ी से जुड़ने की क्षमता के लिए जाने जाते हैं, जो व्यक्तिगत पहचान और सांस्कृतिक उत्कृष्टता दोनों को महत्व देती है. सिद्धांत बिल्कुल उसी ऊर्जा और अंदाज़ का प्रतीक हैं, जिसके लिए मैक्स जाना जाता है.

यह सहयोग सिर्फ एक मौसमी कैंपेन नहीं है, बल्कि यह एक मजबूत इरादे का बयान है. मैक्स हर हफ्ते नए स्टाइल के साथ लाखों लोगों तक फैशन की प्रेरणा पहुंचाता है, जो लगातार बदलते ट्रेंड्स और विकसित होती व्यक्तिगत स्टाइल के साथ तालमेल बनाए रखती हैं.

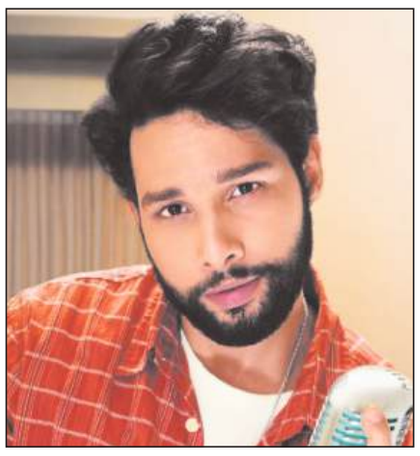

सिद्धांत की व्यापक लोकप्रियता और जेन ज़ी से जुड़ाव से परे, वे एक ऐसा अंदाज़ लेकर आते हैं जो उन भारतीय युवाओं से मेल खाता है जो म्यूजिक, मूवमेंट और स्टाइल के संगम पर जीते हैं.

जिमी और मिनिशा एक साथ पर्दे पर नज़र आएंगे

जेके मैक्स पेंट्स लेकर आए हैं, अपना नया कैंपेन 'घर आने के बहाने'. जीवन से जुड़ा हास्य से भरपूर यह कैंपेन दर्शाता है कि किस तरह रंगीन दीवारें न सिर्फ घरों को खूबसूरत बनाती हैं बल्कि खुशियों, बातचीत और कनेक्शन्स का केन्द्र भी बन जाती हैं.

कैंपेन की फिल्म में जिमी शेरगिल और मिनिशा लांबा तकरीबन दो दशकों के बाद पर्दे पर एक साथ नज़र आ रहे हैं. जिमी, समझदार और मिलनसार, घर के मालिक शर्मा जी की भूमिका में हैं, वहीं मिनिशा उनकी पत्नी के किरदार में दिखाई देती हैं. उनका नया-नया पेंट हुआ घर पड़ोसियों के लिए आकर्षण केन्द्र बना हुआ है. कभी इन्फ्लुएंसर्स उनके घर की रंगीन दीवारों के साथ रील्स बनाने के लिए आ जाते हैं.

इमरजेंसी की कहानी हर पीढ़ी तक पहुंचनी चाहिए : श्रेयस

बॉलीवुड अभिनेता श्रेयस तलपड़े का कहना है कि इमरजेंसी की कहानी हर पीढ़ी तक पहुंचनी चाहिए जिससे लोगों को इतिहास से सीख मिल सके. श्रेयस तलपड़े ने कंगना रनौत निर्मित-निर्देशित फिल्म इमरजेंसी में अटल बिहारी वाजपेयी का किरदार निभाया है. इमरजेंसी का वर्ल्ड टेलीविज़न प्रीमियर 12 सितंबर को ज़ी सिनेमा पर हो रहा है.

श्रेयस तलपड़े ने कहा, मेरा मानना है कि इमरजेंसी की कहानी हर पीढ़ी को जाननी चाहिए. यह सिर्फ अतीत का कोई वाकया नहीं है. जिन्होंने इसे झेला, उनके लिए यह अब भी एक जीती-जागती याद है, लेकिन नई पीढ़ी इसके बारे में लगभग कुछ नहीं जानती. इस फ़िल्म के ज़रिए उन्हें असलियत देखने का मौका मिलेगा - उस दौर की मुश्कि लें समझने का और यह भी सीखने का कि ऐसी गलती दोबारा कभी नहीं होनी चाहिए. यही इतिहास से मिलने वाली सबसे बड़ी सीख है.

श्रेयस तलपड़े ने कहा, अटल जी का किरदार निभाना मेरे लिए बहुत बड़ी ज़िम्मेदारी थी, क्योंकि वे ऐसे नेता हैं जिन्हें हर कोई बेहद सम्मान देता है. ज़्यादातर लोग उन्हें सिर्फ 90 के दशक और 2000 के दशक के प्रधानमंत्री के तौर पर याद करते हैं, लेकिन उनके शुरुआती दिनों और इमरजेंसी के दौरान उनकी भूमिका के बारे में बहुत कम लोग जानते हैं.

होमबाउंड के प्रीमियर को लेकर उत्साहित हैं विशाल जेठवा

अभिनेता विशाल जेठवा टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल 3 में अपनी फिल्म होमबाउंड के प्रीमियर को लेकर उत्साहित हैं.

कान्स फिल्म फेस्टिवल में दर्शकों का दिल जीतने के बाद नीरज घायवान की फिल्म होमबाउंड अब अपना अगला बड़ा कदम बढ़ा रही है. इस फिल्म का प्रदर्शन टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल (में किया जायेगा. इस फिल्म में मुख्य भूमिका निभा रहे युवा अभिनेता विशाल जेठवा की परफॉर्मेंस और फिल्म की कहानी को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खूब सराहना मिल रही है.

पहले भी अपनी बहुमुखी एक्टिंग से दर्शकों को प्रभावित कर चुके विशाल जेठवा, होमबाउंड के ज़रिए मिल रहे इस वैश्विक ध्यान का खूब आनंद ले रहे हैं. विशाल जेठवा ने कहा, होमबाउंड के लिए मिल रहा यह प्यार मेरे लिए अद्भुत अनुभव है. कान्स में हमें जो अपार सराहना और प्रतिक्रिया मिली, उसके लिए मैं दिल से आभारी हूँ. अब टोरंटो की ओर बढ़ना मेरे लिए एक सपना जैसा है. मैं इस ग्लोबल सफर का हर पल एंजॉय कर रहा हूँ और उम्मीद करता हूं कि टीआईएफ़एफ़ के दर्शक भी हमारी फिल्म को उतना ही अपनाएँगे.

कैंसर को खत्म करने वाली वैक्सीन

रूस के वैज्ञानिकों ने कैंसर वैक्सीन को लेकर बड़ा ऐलान करते हुए कहा कि उनका बनाया टीका अब इस्तेमाल के लिए तैयार है. रूस की संघीय मेडिकल एंड बायोलॉजिकल एजेंसी ने घोषणा की है कि रूसी एंटरोमिक्स कैंसर वैक्सीन अब नैदानिक उपयोग के लिए तैयार है.

रूसी मीडिया आउटलेट स्पुतिन ने FMBA प्रमुख वेरोनिका स्कोर्तसोवा के हवाले से कहा कि mRNA आधारित वैक्सीन ने प्रीक्लिनिकल परीक्षणों में सफलता हासिल की है. पिछले तीन सालों में टीके की सुरक्षा और उच्च प्रभावशीलता का प्रदर्शन हुआ है.

उपयोग के लिए पाया गया सुरक्षित- रूसी टीका ट्यूमर के आकार को कम करता है और उनके विकास को धीमा करता है. स्कोर्तसोवार ने बताया कि वैक्सीन ने ट्यूमर को सिकोड़ने और उनकी वृद्धि को धीमा करने में उल्लेखनीय परिणाम दिखाए हैं जो कि 60 से 80% तक है. इसे बार-बार उपयोग के लिए भी सुरक्षित पाया गया है. इसका मतलब है कि टीका इस्तेमाल के लिए तैयार है. उन्होंने यह भी कहा कि वैक्सीन को हर रोगी के लिए उनके व्यक्तिगत RNA के अनुसार अनुकूलित किया जाएगा.

आईफोन 17 ये टॉप फीचर्स बना देंगे दीवाना

ऐप्पल ने बीती रात हुए इवेंट में आईफोन 17 सीरीज को लॉन्च कर दिया है. इसका स्टैंडर्ड मॉडल आईफोन 17 है. हर साल की तुलना में इस बार कंपनी ने स्टैंडर्ड मॉडल में बेहतरीन अपडेट दी है. इसमें ब्राइटर डिस्प्ले, फास्टर चिप और पहले की तुलना में बड़ी बैटरी दी गई है. खास बात यह है कि इतनी अपडेट्स के बावजूद कंपनी ने इसकी कीमतों में ज्यादा बढ़ोतरी नहीं की है.

ब्राइटर डिस्प्ले- ऐप्पल ने नई लाइनअप के स्टैंडर्ड मॉडल में भी क्कह्रश्रूरूह्वश्ठ टेक्नोलॉजी और ऑलवेज-ऑन डिस्प्ले दिया है. ये दोनों फीचर्स अभी से पहले केवल प्रो मॉडल्स में मिलते थे. इसके अलावा ऐप्पल ने इस बार डिस्प्ले साइज को भी 6.1 इंच से बढ़ाकर 6.3 इंच कर दिया है. आउटडोर में बेहतर विजिबिलिटी के लिए इसके डिस्प्ले पर एंटी-रिफ्लेक्टिव कोटिंग दी गई है. साथ ही स्क्रैच से बचाने के लिए डिस्प्ले पर सेरेमिक शील्ड 2 की प्रोटेक्शन मिलेगी.

नया A19 चिपसेट- परफॉर्मेंस के बेहतर करने के लिए ऐप्पल 17 में 19 चिप और 6 कोर ष्टक्कदिया है. यह आईफोन 13 की तुलना में दोगुना और आईफोन 15 की तुलना में 40 प्रतिशत अधिक तेजी से काम करेगा. इस फोन में ऐप्पल का इन-हाउस ह्1 वाईफाई और ब्लूटूथ मॉडम दिया गया है, जो इसकी वायरलेस कनेक्टिविटी परफॉर्मेंस को बेहतर करेगा.

नया सेल्फी कैमरा- आईफोन मॉडल हमेशा से शानदार कैमरा क्वालिटी के लिए जाने जाते हैं और आईफोन 17 ने भी इस बार निराश नहीं किया है. इसके रियर में 48स्स्क्कका

फ्यूजन कैमरा है और यह मॉडल एक साथ फ्रंट और रियर कैमरा से वीडियो रिकॉर्डिंग को सपोर्ट करेगा. सेल्फी कैमरा के लिए ऐप्पल ने पहली बार स्क्वेयर शेप का सेंसर दिया है, जो फोन को रोटेट किए बिना भी यूजर को हर ओरिएंटेशन से सेल्फी लेने की सहूलितय देगा.

कीमत में भी ज्यादा बदलाव नहीं- नई और दमदार अपग्रेड्स के बावजूद ऐप्पल ने नई लाइनअप के दामों में ज्यादा बढ़ोतरी नहीं की है. आईफोन 17 के बेस वेरिएंट को भारत में 82,900 रुपये में खरीदा जा सकता है. हालांकि, पिछले साल की तुलना में यह लगभग 4 प्रतिशत की बढ़ोतरी है, लेकिन डॉलर के मुकाबले रुपये की कमजोर होती स्थिति के कारण माना जा रहा था कि इसकी कीमत 85,000 से ऊपर जा सकती है.

अब अंतरिक्ष में धुलेंगे वैज्ञानिकों के कपड़े

अंतरिक्ष यात्रियों को अंतरिक्ष में कई चीजों की आदत डालनी पड़ती है. इनमें से एक यह भी है कि वे अपने गंदे कपड़े नहीं धो सकते. लेकिन, चीन के वैज्ञानिकों ने अब इस समस्या के समाधान ढूंढने का ऐलान किया है. वैत्रानिकों ने कहा है कि उन्होंने एक समाधान प्रस्तावित किया है, जिसमें एक छोटी, डिटर्जेंट-मुक्त वॉशिंग मशीन का इस्तेमाल किया जाएगा. यह वॉशिंग मशीन पानी का इस्तेमाल किए बिना धुंध और ओजोन से कपड़े साफ करती है.

12 किलोग्राम की है यह वॉशिंग मशीन

चीन अंतरिक्ष यात्री अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद्र (ष्टक्रञ्जष्ट) की टीम के अनुसार, यह वॉशिंग मशीन एक क्यूब के आकार की है, जो एक कैरी-ऑन सूटकेस से थोड़ा ही बड़ा है. इसका वजन करीब 12 किलोग्राम है. उन्होंने कहा कि यह मशीन 800 ग्राम (28 औंस) तक कपड़े साफ करने के लिए हर एक साइकिल यानी चक्र में केवल 400 मिलीलीटर (13 द्रव औंस) पानी का उपयोग करता है. हालांकि, यह पानी द्रव रूप में नहीं होगा.

डिटर्जेंट की जगह इससे साफ होंगे कपड़े

यह पानी अल्ट्रासोनिक एटमाइजेशन के माध्यम से एक अति-सूक्ष्म धुंध के रूप में दिया जाता है. डिटर्जेंट के बजाय, यह मशीन ओजोन उत्पन्न करने के लिए पराबैंगनी (अल्ट्रा वायलेट) प्रकाश का उपयोग करती है, जो एक शक्तिशाली कीटाणुनाशक है जो कपड़ों को पांच बार तक पहनने पर भी उन्हें कीटाणुओं से दूर रखता है.

गूगल मैप पर भरोसा करना पड़ सकता है भारी

आज के डिजिटल युग में हम अपने हर छोटे-बड़े काम के लिए गूगल पर निर्भर हो गए हैं. चाहे गली-मोहल्ले का रास्ता हो या किसी दूरदराज इलाके की डेस्टिनेशन, ज्यादातर लोग अब गूगल मैप पर भरोसा करके सफर करते हैं. लेकिन यही भरोसा कई बार जानलेवा साबित हो रहा है.

गूगल मैप से बढ़ रहा खतरा

गूगल मैप या नेविगेशन एप शॉर्टकट और सीधे रास्ते दिखाने के चक्कर में कई बार लोगों को गलत दिशा में भेज देता है. नतीजा यह होता है कि कोई बंद गली में फंस जाता है, कोई कीचड़ या गड्ढे में गाड़ी उतार देता है और कभी-कभी लोग नहर या नदी तक में जा गिरते हैं. ऐसी कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं, जिनमें लोगों को गलत रास्ता दिखाने के कारण अपनी जान गंवानी पड़ी.

तकनीक पर अंधविश्वास क्यों?

हम जिन रास्तों को पीढ़ियों से जानते आए हैं, उन्हीं को अब गूगल से खोज रहे हैं. मोबाइल या कार के डैशबोर्ड पर लोकेशन डालकर आंख मूंदकर चल पड़ना किसी अनजान नंबर पर फोन लगाकर बातचीत करने जैसा है. फर्क बस इतना है कि यहां गलती जान पर भारी पड़ सकती है. यहां तक कि कभी-कभी पुलिस तक को गूगल गलत रास्ते पर ले जाकर बड़ी परेशानी में डाल चुका है.

गूगल कब करता है गलती?

विशेषज्ञों का कहना है कि गूगल मैप ज्यादातर मामलों में सही होता है, लेकिन 20त्न मामलों में यह भटकाता है.

- जहां नेटवर्क कमजोर हो
- जहां डेटा अपडेट न हुआ हो
- गांवों के अंदरूनी हिस्से
- पहाड़ों के नो-नेटवर्क इलाके

नदियों और तालाबों के आसपास का क्षेत्र

इन जगहों पर गूगल अक्सर गलत रास्ता दिखा देता है. कारण है इसका एल्गोरिद्म और पूर्व में सुरक्षित डेटा. यह नए डेवलपमेंट या रास्तों में आई बाधाओं को तुरंत अपडेट नहीं कर पाता.